डॉ. जिम स्पीगल, धर्म का दर्शन, सत्र 13, चमत्कार

© 2024 जिम स्पीगल और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. जेम्स स्पीगल द्वारा धर्म के दर्शन पर दिए गए उनके उपदेश हैं। यह सत्र 13, चमत्कार है।

ईसाई विश्वदृष्टि का केंद्रीय और मुख्य दावा यह है कि यीशु मसीह मृतकों में से जी उठे।

वह मर गया, उसे दफनाया गया, और तीसरे दिन वह जी उठा, और यह एक चमत्कार है। यह मानव इतिहास का सबसे महत्वपूर्ण चमत्कार है। इसलिए ईसाई धर्म के मूल में यह चमत्कार का दावा है, और निश्चित रूप से, यह एकमात्र चमत्कार नहीं है जिस पर ईसाई विश्वास करते हैं।

पुराने नियम में बहुत सारे चमत्कारों का वर्णन किया गया है, और नए नियम में, यीशु की सेवकाई को सभी प्रकार की चंगाई, पानी को शराब में बदलना और पानी पर चलना द्वारा चिह्नित किया गया था। इसलिए, ईसाइयों को रूढ़िवादी होने के लिए, यह पुष्टि करनी चाहिए कि चमत्कार वास्तविक हैं, कि वे घटित हुए हैं, और अधिकांश ईसाई कहेंगे कि वे आज भी होते रहते हैं। ठीक है, तो यहाँ हमारे सामने सवाल यह है कि, दार्शनिक दृष्टिकोण से यह विश्वास कितना तर्कसंगत है, और चमत्कारों में विश्वास करने के लिए किस प्रकार की आपत्तियाँ की गई हैं, और हम उनका जवाब कैसे दे सकते हैं? तो शायद पुराने नियम में केंद्रीय घटना वह थी जब इस्राएलियों को गुलामी से बाहर निकाला गया था।

वे मुक्त दास थे और अंततः उन्हें लाल सागर से होकर गुजरना पड़ा, जब भगवान ने पानी को अलग कर दिया था। एक बार जब वे इसे पार कर गए, तो पानी वापस चला गया, और उन सभी मिस्र के सैनिकों को मार दिया गया। यह एक महत्वपूर्ण चमत्कारी घटना है जो एक अन्य चमत्कार, एक घातक चमत्कार से जुड़ी है, जो पूरे मिस्र में ज्येष्ठ पुत्रों की हत्या के साथ जुड़ा हुआ है जिसे फसह के साथ याद किया जाता है।

तो, पुराने नियम में भी, और नए नियम में भी, ऐसी बहुत सी चमत्कारी घटनाएँ हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात, मैंने मसीह के पुनरुत्थान पर ध्यान दिया। इसलिए, प्रकृतिवादी इन दावों को चुनौती देते हैं और कहते हैं कि या तो चमत्कार असंभव हैं या फिर, किसी भी मामले में, किसी को भी यह विश्वास करने के लिए तर्कसंगत रूप से उचित नहीं ठहराया जा सकता है कि चमत्कार हुआ है, भले ही चमत्कार, सिद्धांत रूप में, संभव हों।

तो, हम चमत्कारों में विश्वास की आलोचना करने वाले कुछ तर्कों के बारे में बात करेंगे, लेकिन सबसे पहले, आइए चमत्कारों की विभिन्न श्रेणियों या प्रकारों के बीच अंतर करें। यहाँ, हम किस बारे में बात कर रहे हैं? हम एक विशेष दिव्य कार्य के बारे में बात कर रहे हैं जहाँ भगवान एक प्रकार का चमत्कार करते हैं जो प्रकृति के नियम का अपवाद या विरोधाभास हो सकता है या नहीं भी हो सकता है। दो श्रेणियाँ जिन्हें अलग किया गया है, वे आकस्मिक चमत्कार की श्रेणी हैं, जो घटनाओं के एक समूह के असाधारण संयोग से उत्पन्न होती हैं।

मेरा मानना है कि यह विन कॉर्डुआन का है , जिन्होंने इस विषय पर एक अध्याय लिखा है, जिसमें एक बिल और नौकरी के आवेदन का उदाहरण दिया गया है, जहाँ आपके पास एक व्यक्ति है जो शहर में नौकरी के लिए आवेदन कर रहा है। वह अपने आवेदन की सामग्री को एक साथ रखता है, उन्हें एक लिफाफे में डालता है, और लिफाफे को मेलबॉक्स में डाल देता है। हो सकता है कि यह एक पुराना उदाहरण हो, लेकिन स्नेल मेल का उपयोग करने से आवेदन मेल में चला जाता है, और बिल को पता न चले कि वह लिफाफा मेलबॉक्स में एक दरार से फिसल जाता है और जमीन पर गिर जाता है।

ऐसा लगता है कि यह बैंक तक नहीं पहुँच पाएगा, हालाँकि बिल और उसका परिवार प्रार्थना कर रहे हैं कि उसे नौकरी मिल जाए। जो होता है वह यह है कि हवा का एक झोंका उस लिफाफे को हवा में उड़ा देता है, ठीक उसी समय जब एक पिकअप ट्रक जा रहा होता है, और यह उस पिकअप ट्रक के बिस्तर पर गिर जाता है। ट्रक का ड्राइवर शहर के बीचों-बीच गाड़ी चला रहा होता है और बिल ने जिस बैंक में आवेदन किया है, उसके ठीक सामने से गुजरता है, और तभी, हवा का एक झोंका लिफाफे को फुटपाथ पर उड़ा देता है, ठीक उसी समय बैंक के अध्यक्ष की बेटी वहाँ आती है और लिफाफे पर अपने पिता या अपनी माँ का नाम देखती है, उसे बैंक के अध्यक्ष को देती है, और बिल को नौकरी मिल जाती है।

अब, मैंने जो कुछ भी उस परिदृश्य में वर्णित किया है, वह प्रकृति के नियम के विपरीत नहीं है। हवा हर दिन लिफाफे उड़ाती है, और इसमें वास्तव में कुछ भी असामान्य नहीं है, लेकिन यह घटनाओं का संयोजन है। यह इतना असंभव है कि अगर किसी को पता चले कि बिल का आवेदन बैंक में कैसे पहुंचा और उसे आखिरकार नौकरी कैसे मिली, तो हम यह कहने के लिए बहुत प्रेरित होंगे, ठीक है, यह एक चमत्कार था।

तो ये एक नाटकीय तरह का मनगढ़ंत उदाहरण होगा, लेकिन इससे यह बात समझ में आती है कि आकस्मिक चमत्कार क्या होता है, उल्लंघन चमत्कार के विपरीत। उल्लंघन चमत्कार प्रकृति के किसी नियम के स्पष्ट उल्लंघन के परिणामस्वरूप होते हैं। इसमें ऐसे मामले शामिल होंगे, जैसे, कोई व्यक्ति किसी लाइलाज बीमारी से अचानक ठीक हो जाता है, शायद कोई ट्यूमर रातों-रात गायब हो जाता है, या कोई व्यक्ति जन्म से अंधा होने के बाद अचानक अपनी दृष्टि प्राप्त कर लेता है, या कोई व्यक्ति 10 मंजिला इमारत से डामर पर गिर जाता है और बिना किसी चोट के बच जाता है।

हम कहेंगे कि इनमें से हर एक निश्चित रूप से प्रकृति के किसी न किसी नियम का उल्लंघन है। दार्शनिक इतिहास में चमत्कारों के सबसे महत्वपूर्ण आलोचक डेविड ह्यूम हैं। अपनी पुस्तक इंक्वायरी कंसर्निंग ह्यूमन अंडरस्टैंडिंग में, उन्होंने चमत्कारों में विश्वास के खिलाफ एक तर्क प्रस्तुत किया है, जिसकी दो अलग-अलग तरीकों से व्याख्या की गई है।

इसलिए, हम ह्यूम के तर्क के दोनों संस्करणों या व्याख्याओं को देखेंगे। एक है तत्वमीमांसा तर्क, या ह्यूम की कठोर व्याख्या, जो यह निष्कर्ष निकालती है कि चमत्कार सिद्धांत रूप में असंभव

हैं। ह्यूम के तर्क की इस व्याख्या के अनुसार, चमत्कार, परिभाषा के अनुसार, प्रकृति के नियमों का उल्लंघन है, और प्रकृति के नियम अपरिवर्तनीय रूप से एक समान हैं।

प्रकृति के नियमों में कोई अपवाद नहीं है। इसीलिए हम उन्हें नियम कहते हैं क्योंकि कोई अपवाद नहीं है। तो, यहाँ निष्कर्ष यह है कि चमत्कार नहीं हो सकते।

सिद्धांत रूप में, चमत्कार होना असंभव है। ह्यूम की यही कठोर व्याख्या है, जो तर्क देते हैं कि चमत्कार नहीं हो सकते। तो, हम इस पर क्या कहें? निष्कर्ष तो निश्चित रूप से यही है।

यदि आधार सत्य हैं, तो चमत्कार नहीं हो सकते। तो, तर्क में क्या गलत हो सकता है? खैर, यह एक परिपत्र तर्क है। दूसरा आधार वास्तव में निष्कर्ष की सच्चाई को मानता है।

यह कहने का एक और तरीका है कि चमत्कार नहीं हो सकते, यह कहना कि प्रकृति के नियम अपरिवर्तनीय रूप से एक समान हैं। तो, यह एक परिपत्र तर्क है। तर्क यह मानता है कि यह क्या साबित करना चाहता है।

इस कारण से, अधिकांश विद्वानों को नहीं लगता कि ह्यूम वास्तव में इस तरह से तर्क करना चाहते हैं। उनका इरादा ज्ञानमीमांसा से संबंधित एक बिंदु बनाने का है, जो यह है कि चमत्कार कभी भी विश्वसनीय नहीं होते। यह चमत्कारों पर ह्यूम की एक नरम व्याख्या है, लेकिन यह अभी भी एक दुर्जेय तर्क है जिसे गंभीरता से लिया जाना चाहिए क्योंकि इसके निहितार्थ किसी भी धार्मिक व्यक्ति के लिए महत्वपूर्ण होंगे क्योंकि उन्हें, इसलिए, चमत्कारों में सभी विश्वासों को छोड़ना होगा।

यह निश्चित रूप से ईसाई धर्म को खत्म कर देगा क्योंकि इसका मतलब होगा कि मसीह का पुनरुत्थान ऐसी चीज है जिस पर हमें विश्वास नहीं करना चाहिए। यहाँ उनका तर्क है। पहला आधार यह है कि चमत्कार, परिभाषा के अनुसार, एक दुर्लभ घटना है।

यह एक उचित धारणा है। अगर चमत्कार होते भी हैं, तो वे दुर्लभ होते हैं। दूसरे, प्राकृतिक कानून, परिभाषा के अनुसार, एक नियमित घटना का वर्णन है।

फिर से, यह निर्विवाद है। यह प्राकृतिक कानून की प्रकृति है। यह बताता है कि चीजें नियमित रूप से कैसे चलती हैं।

तीसरा, जो नियमित है उसके लिए सबूत हमेशा दुर्लभ से ज़्यादा होते हैं। सिर्फ़ इसलिए कि जो नियमित और नियमित है वह ज़्यादा आम है, हमारे पास हमेशा उसके लिए ज़्यादा सबूत होंगे, न कि जो बहुत दुर्लभ या अनोखा है। चौथा, बुद्धिमान लोग अपने विश्वासों को ज़्यादा सबूतों पर आधारित करेंगे।

हमें हमेशा उस दृष्टिकोण या विश्वास को अपनाना चाहिए जिसके समर्थन में सबसे ज़्यादा सबूत हों। इसलिए, बुद्धिमान लोगों को कभी भी चमत्कारों पर विश्वास नहीं करना चाहिए। यही तर्क है।

हां, सिद्धांत रूप में चमत्कार संभव हैं। यह कल्पना की जा सकती है कि चमत्कार हो सकता है, लेकिन यह कभी विश्वसनीय नहीं होता। आप कभी भी अपने बौद्धिक अधिकार के भीतर यह विश्वास नहीं कर सकते कि चमत्कार हुआ है क्योंकि यह बहुत दुर्लभ है और क्योंकि नियमित के लिए सबूत हमेशा दुर्लभ के लिए सबूत से अधिक होते हैं। हम कभी भी यह मानने के लिए उचित नहीं हैं कि चमत्कार का दावा सच है।

तो यह ह्यूम की नरम व्याख्या या चमत्कारों के खिलाफ ज्ञानमीमांसा ह्यूमियन तर्क है। यहाँ हम क्या कहें? ह्यूम के तर्क के साथ एक समस्या के रूप में हम एक बात पर ध्यान दे सकते हैं कि यह केवल संभावनाओं से संबंधित है, सबूतों से नहीं। कुछ घटनाएँ, हालांकि अत्यधिक असंभावित हैं, उनके पास भारी सबूत हैं।

अगर आपने कभी याहत्ज़ी का खेल खेला है, जो मूल रूप से पासों के साथ पोकर खेलने जैसा है, तो आपने किसी को एक ही बार में पाँच तरह के पासे फेंकते हुए देखा होगा। मैंने याहत्ज़ी काफ़ी खेला है जहाँ मैंने ऐसा होते देखा है। खेलने वाला हर व्यक्ति उत्साहित और आश्चर्यचकित हो जाता है।

वाह, एक रोल और धमाका, पाँच छक्के। ऐसा होने की संभावना लगभग 8,000 में से एक है। लेकिन फिर से, अगर आप उन लोगों से बात करते हैं जिन्होंने याहत्ज़ी खेला है, तो इसके खिलाफ़ संभावनाएँ जितनी भी हों, अगर उन्होंने बहुत ज़्यादा याहत्ज़ी खेला है, तो उन्होंने इसे कम से कम एक बार देखा होगा।

अजीब बात है, लेकिन ऐसा होता है। लेकिन अगर संभावना ही मायने रखती है, तो हमें कभी भी यह नहीं मानना चाहिए कि ऐसा कभी होता है। ठीक है, ठीक है, 8,000 में से एक, शायद।

लेकिन ऐसी घटनाएँ जो कहीं ज़्यादा असंभव हैं, जिनकी संभावना बहुत कम है। मान लीजिए कि कुछ आतंकवादी कुछ वाणिज्यिक विमानों को ले जा सकते हैं, उन्हें अपने कब्ज़े में ले सकते हैं, और फिर उन्हें दुनिया की सबसे ऊँची इमारतों से टकरा सकते हैं, जिससे वे इमारतें ज़मीन पर गिर जाएँ। इसकी संभावना कितनी है? बहुत कम संभावना है, लेकिन इस बात के पुख्ता और भारी सबूत हैं कि 9/11 को ऐसा हुआ था।

इसलिए, असंभावना की परवाह किए बिना, हमें सबूतों के कारण इस पर विश्वास करना चाहिए। यह वास्तव में दूसरे बिंदु को दर्शाता है, जो यह है कि ह्यूम की चमत्कारों की आलोचना वास्तव में बहुत अधिक साबित करती है। यदि अत्यधिक असंभावित चीज़ों पर विश्वास करना हमेशा तर्कहीन होता है, तो हमें ऐसी चीज़ों पर कभी विश्वास नहीं करना चाहिए, जैसे कि, जो डिमैग्गियो की 56-गेम हिटिंग स्ट्रीक।

यह एक और ऐतिहासिक घटना है जो बेहद असंभव है। वह वास्तव में मिस्टर कंसिस्टेंसी थे, और 57वें गेम में उनके हिटिंग स्ट्रीक के रुकने के बाद, उन्होंने 17 गेम की हिटिंग स्ट्रीक पर काम किया। इसलिए, उन्हें 75 में से 74 गेम में बेस हिट मिला।

माइनर्स में भी उनका हिटिंग स्ट्रीक बहुत लंबा था, इसलिए वे मिस्टर कंसिस्टेंसी थे। लेकिन इसकी संभावना इतनी कम है कि ऐसा लगता है कि ह्यूम के शब्दों में, हमें यह नहीं मानना चाहिए कि ऐसा हुआ था। हम मानते हैं, और हमें यह मानना चाहिए कि ऐसा हुआ था क्योंकि इसके बहुत सारे सबूत हैं।

तो यह एक और उदाहरण होगा। और फिर अंत में, ह्यूम अपने सिद्धांतों से असंगत है। मानवीय समझ के बारे में अपनी जांच में कहीं और, वह तर्क देता है कि हम कभी नहीं जान सकते कि प्रकृति एक समान है।

हम यह नहीं जान सकते कि भविष्य अतीत जैसा ही होगा। इसलिए, वहाँ, वह प्रकृति के नियमों में हमारे विश्वास पर सवाल उठा रहा है, जो विडंबनापूर्ण है क्योंकि वह इस संदर्भ में प्रकृति के नियमों की अपील कर रहा है ताकि चमत्कारों में विश्वास को कम करने की कोशिश की जा सके। इसलिए, आप दोनों तरह से नहीं हो सकते।

दर्शन के इतिहास में ह्यूम की यह सबसे बड़ी गलती है। वह कुछ अन्य गौण तर्क भी देते हैं जिनका उद्देश्य चमत्कारों में विश्वास को कमज़ोर करना है। उनमें से एक यह है कि पूरे इतिहास में, बहुत कम संख्या में बुद्धिमान, शिक्षित लोगों ने चमत्कारों की घटना की गवाही दी है।

तो अगर ऐसा है तो यह चमत्कारों में हमारे विश्वास को कमज़ोर करता है। यहाँ एक अच्छा जवाब यह है कि, बहुत से बुद्धिमान और उच्च शिक्षित लोगों ने चमत्कारों की वास्तविकता की गवाही दी है और उन्हें देखा है, जैसे कि प्रेरित पॉल और क्रेग कीनर, जिन्होंने चमत्कारों पर सभी प्रकार की व्यापक जाँच की है। वह सबसे प्रतिष्ठित विद्वान हैं।

वह चमत्कारों की वास्तविकता की गवाही देते हैं, और सभी प्रकार के समकालीन चिकित्सक भी यही करते हैं। चमत्कारों पर कीनर का हालिया दो-खंडीय पाठ अब मानक बन गया है। यह चमत्कारों पर मानक विद्वानों का खंड या खंड है, जिसकी मैं अत्यधिक अनुशंसा करता हूँ।

वह पाँच अलग-अलग महाद्वीपों पर हुए चमत्कारों के सैकड़ों विवरण देता है। और यह विषय पर एक असाधारण रूप से विस्तृत चर्चा है, जिसे मैं अत्यधिक अनुशंसा करता हूँ। ह्यूम द्वारा दिया गया एक और तर्क यह है कि अज्ञानी और असभ्य लोगों के बीच चमत्कार के दावे बहुतायत में हैं।

तो, क्या हमें इस पर विचार नहीं करना चाहिए और चमत्कारों में किसी भी तर्कसंगत या कथित रूप से तर्कसंगत विश्वास को कम नहीं करना चाहिए? हम इसका जवाब यह कहकर दे सकते हैं कि, जबकि यह कई अन्य मान्यताओं के बारे में सच है जिन्हें बुद्धिमान, सभ्य लोग सच मानते हैं, ऐसी कई तरह की चीजें हैं जिन्हें विभिन्न संस्कृतियों में अज्ञानी या असभ्य लोग वास्तव में सच मानते हैं। तो, वास्तव में, सवाल यह नहीं है कि कौन मानता है कि कुछ चमत्कार हुए हैं, बल्कि यह है कि इन दावों के लिए वस्तुनिष्ठ सबूत क्या हैं? और अंत में, प्रतिद्वंद्वी धार्मिक प्रणालियों में चमत्कार के दावे एक दूसरे को कमजोर करते हैं।

इसलिए, हिंदू मानते हैं कि उनकी परंपरा के अनुसार चमत्कार हुए हैं। यहाँ ईसाई चमत्कारों में विश्वास करते हैं और वहाँ मुसलमान। चूँकि ये प्रतिद्वंद्वी धार्मिक प्रणालियाँ एक दूसरे के साथ

सुसंगत नहीं हैं, इसलिए वे मूल रूप से अपने असंगत चमत्कार दावों के साथ एक दूसरे का खंडन करते हैं।

इसलिए, आपको किसी भी धार्मिक परंपरा और उनके चमत्कार के दावों पर विश्वास नहीं करना चाहिए। खैर, ह्यूम यहाँ स्पष्ट बात को नज़रअंदाज़ कर रहे हैं, और वह यह है कि कुछ धर्मों में चमत्कार के दावे झूठे हो सकते हैं। हो सकता है कि एक धर्म के चमत्कार के दावे विश्वसनीय हों, और अन्य धर्मों में अधिकांश, यदि सभी नहीं, चमत्कार के दावे झूठे हों।

या शायद यह उन धर्मों और चमत्कारों के दावों के बीच का संयोजन है जो सच हैं, लेकिन इस दूसरे धर्म द्वारा पूजे जाने वाले एकमात्र सच्चे ईश्वर ही उस संदर्भ में चमत्कारों के लिए जिम्मेदार हैं। उदाहरण के लिए, मुस्लिम दुनिया से लोगों को ईसा मसीह के दर्शन होने की बहुत सी रिपोर्टें आ रही हैं। आप जानते हैं, एक व्यक्ति को एक सपना आता है कि कोई उसे बता रहा है कि कल एक व्यक्ति पुस्तकों का एक गुच्छा लेकर समुदाय में आने वाला है, उस व्यक्ति को स्वीकार करें और पुस्तकें प्राप्त करें, और निश्चित रूप से, अगले दिन, कोई व्यक्ति नए नियम की 500 प्रतियों के साथ आता है।

यह एक स्वप्न दर्शन की तरह होगा, शायद चमत्कार न हो, लेकिन निश्चित रूप से एक अलौकिक हस्तक्षेप। यह काम भगवान मुसलमानों को मसीह के पास लाने के लिए कर रहे हैं। लेकिन ऐसे अन्य तरीके भी हैं जिनसे भगवान किसी अन्य धार्मिक संदर्भ में चमत्कार करने के मामले में कार्य कर सकते हैं, और यह एक ही भगवान है जो प्रत्येक मामले में ऐसा कर रहा है।

इसके अलावा, एक और संभावना यह है कि कभी-कभी, आप शैतानी गतिविधि के कारण ऐसी घटना को अंजाम दे सकते हैं जिसे चमत्कारी माना जा सकता है या वर्गीकृत किया जा सकता है। ये वही होंगे जिन्हें, कुछ जगहों पर, पवित्रशास्त्र नकली चमत्कार के रूप में संदर्भित करता है। मुझे लगता है कि यीशु उस शब्दावली का उपयोग करता है।

कई साल पहले, दशकों पहले, जब मैं ग्रैजुएट स्कूल में था, तब मुझे पैसे के लिए एक तरह की घास काटने और देखभाल करने की नौकरी करनी पड़ी। मैं और मेरा एक दोस्त एक सेवानिवृत्त बैपटिस्ट मिशनरी के लॉन की घास काटते थे, जिसका मिशन दक्षिणी लुइसियाना में, कैजुन देश में था। उसने हमें यह दिलचस्प कहानी सुनाई कि कैसे, जैसे-जैसे इस समुदाय के लोग तेजी से मसीह में परिवर्तित होते जा रहे थे, ईसाई बन रहे थे, स्थानीय गुप्त विशेषज्ञ और स्टोर के मालिक को निराशा हो रही थी कि लोग उसके उत्पादों, उसके ओइजा बोर्ड और टैरो कार्ड आदि को खरीदने में कम रुचि रखते थे।

वह इस बात से परेशान था, और उसने एक दिन बैपटिस्ट मिशनरी को चलते हुए देखा और उसने कहा, तुम्हें इन सभी ईसाई धर्मांतरण करने के लिए खुद पर बहुत गर्व होना चाहिए। उसने कहा कि मुझे यह अच्छा लग रहा है। लोग मसीह के पास आ रहे हैं, और यह अच्छी खबर है।

मुझे उम्मीद है कि आप भी ऐसा ही करेंगे। वह आदमी कहता है, बिल्कुल नहीं। वह कहता है, मेरा भगवान तुम्हारे भगवान से ज़्यादा शक्तिशाली है।

मिशनरी ने कहा, ओह सच में? उसने कहा, हाँ। वहाँ एक मरा हुआ कुत्ता था। वहाँ एक कुत्ता था जिसे साँप ने काट लिया था, और वह सड़क के किनारे मरा हुआ था।

यहां तक कि मृत शरीर में भी कठोरता आ गई थी। वह फूला हुआ था। उसने कहा कि मैं उस कुत्ते को मृतकों में से जीवित करने जा रहा हूं।

कल वापस आना। यह जीवित होगा। मिशनरी ने कहा, ठीक है।

अगले दिन , वह वापस आता है। निश्चित रूप से, वह कुत्ता उस आदमी के घर के बरामदे पर बैठा है, अभी भी कुछ हद तक फूला हुआ है। लाल आँखें, थका हुआ, मौत की तरह गर्म लग रहा है, मुझे लगता है सचमुच।

लेकिन बहुत ज़्यादा जीवित है। और इसलिए उस गुप्त दुकान के मालिक ने कहा, मैंने तुमसे कहा था कि मेरा भगवान तुम्हारे भगवान से ज़्यादा शक्तिशाली है। तुम वैसा करने की कोशिश करो।

और मिशनरी ने कहा, ठीक है, मैंने कभी नहीं कहा कि यह नहीं किया जा सकता। शैतानी शक्ति के माध्यम से, ऐसे सभी प्रकार के काम किए जा सकते हैं जो इस तरह के चमत्कारिक हैं। लेकिन मेरे परमेश्वर और तुम्हारे परमेश्वर के बीच अंतर यह है कि मेरा परमेश्वर तुम्हें बचाना चाहता है और तुम्हें अनंत जीवन देना चाहता है।

तुम्हारा ईश्वर तुमसे नफरत करता है, और वह तुम्हें नरक में देखना चाहता है। और इस तरह दिन और सप्ताह बीत गए, और आखिरकार, वह जादू-टोना करने वाला व्यक्ति ईसाई बन गया। और उन्होंने उसके उद्धार का जश्न उसके सारे सामान को जलाकर मनाया।

और मिशनरी ने बताया कि जब उन्होंने इसे ढेर किया, तो यह सचमुच तीन फीट ऊंचा था। उन्होंने इस पर पेट्रोल डाला और इसे जला दिया। और यह एक बड़ा जश्न था।

डिंग डोंग, चुड़ैल, का धर्म परिवर्तन हो जाता है। और यह एक बहुत ही मजेदार कहानी है। लेकिन यह दर्शाता है कि कैसे नकली चमत्कार की संभावना है।

और पुराने नियम में इसके लिए बाइबिल की मिसाल है। मूसा ने कुछ चमत्कार किए, और फिर कई तरह के जादू-टोना करने वाले लोग थे जो फिरौन के दरबार से जुड़े थे। वे शैतान की शक्ति से उन चमत्कारों को दोहराने में सक्षम थे।

इसलिए, जब बात उस पर आती है तो हमें सतर्क और विवेकशील होने की आवश्यकता है। लेकिन यह एक महत्वपूर्ण श्रेणी है जो मुझे लगता है कि इस विषय के बारे में हमारी सोच को सूचित कर सकती है। तो ये चमत्कारों, चमत्कारों की ह्यूम की आलोचना और उनके तर्क के साथ समस्याओं पर कुछ विचार हैं।

यह डॉ. जेम्स स्पीगल द्वारा धर्म के दर्शन पर दिया गया व्याख्यान है। यह सत्र 13 है, चमत्कार।